महिला नेतृत्व वाला विकास

नेहा सिन्हा [1]

महिला20 2023 (डब्ल्यू20) ने जी20 नेताओं से महिलाओं और लड़कियों को एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य – 'वसुधैव कुटुंबकम' की 2023 प्रेसीडेंसी थीम के चालक के रूप में रखने का आह्वान किया। वर्ष 2022 में बाली नेताओं की घोषणा में अपनी पिछली प्रतिबद्धताओं को आगे बढ़ाने का आग्रह करते हुए "ब्रिस्बेन लक्ष्य की ओर और उससे आगे जी20 रोडमैप", जिसे रोम रोडमैप भी कहा जाता है को आगे बढ़ाया गया। जी20 नेताओं की घोषणा में जिससे महिलाओं के रोजगार और उसकी गुणवत्ता में वृद्धि होगी और महिलाओं के लिए समानता और समानता के संबंधी अन्य मुद्दे शामिल हैं पर चर्चा को प्रगति मिली।

राष्ट्रीय लिंग कार्यनीतियों का विकास और सुधार जिसे लिंग-संवेदनशील और लिंग-विभाजित डेटा का उपयोग करके वित्त पोषित की जाती है, इसके लिए प्रत्येक G20 सरकार को एक राष्ट्रीय वार्षिक समीक्षा प्रणाली स्थापित करना होगा। प्रगति, अंतराल और चुनौतियों का मूल्यांकन करने के लिए सभी प्रमुख हितधारकों और राष्ट्रीय W20 प्रतिनिधिमंडलों के संबंधित सदस्यों को साथ में लाया जाएगा। कार्यान्वयन और महिलाओं और लड़कियों के लिए किए गए संकल्पों के प्रभाव और G20 स्तर पर परिणामों पर नज़र रखने के लिए एक वार्षिक G20 रिपोर्टिंग और समीक्षा प्रणाली बनाई जाएगी। इस दौरान पांच प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में कार्रवाई की अनुशंसा की गई :

1. जलवायु परिवर्तन

- जलवायु परिवर्तन और जेंडर का अटूट संबंध है और महिलाओं को जलवायु न्याय के केंद्र में होना चाहिए। सभी जलवायु-संबंधी नीतियों में समावेशी, समान और न्यायसंगत लिंग दृष्टिकोण अपनाया जाना चाहिए।
- जलवायु संबंधी निर्णय लेने वाले तंत्रों में महिलाओं के समान प्रतिनिधित्व और सार्थक भागीदारी की गारंटी होनी चाहिए, जैसे, सीओपी 28 आदि, और राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (एनडीसी) सहित सभी जलवायु परिवर्तन नीतियों में एक जेंडर - उत्तरदायी दृष्टिकोण होना चाहिए।
- संयुक्त राष्ट्र द्वारा हानि और क्षति कोष (COP27) और वित्त में जलवायु आपदा जोखिम न्यूनीकरण प्रबंधन सहित जेंडर-न्यायपूर्ण जलवायु कार्रवाई और बुनियादी ढांचे के लिए राजकोषीय स्थान प्रदान करने के लिए एक मजबूत जेंडर फोकस पर कार्य किया जाना चाहिए।
- ग्रीन क्लाइमेट फंड का लाभ उठाया जाए और महिलाओं के नेतृत्व वाली परियोजनाओं के लिए सीधे वित्त पोषण किया जाए, जैसे कि जलवायु उद्यमिता

[1] डॉ भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, नई दिल्ली

और शुद्ध शून्य लक्ष्यों का समर्थन करने वाली प्रौद्योगिकियों में निवेश किया जाए।

- जलवायु परिवर्तन और जलवायु परिवर्तन से प्रेरित प्रवासन और उनके मानवाधिकारों पर पड़ने वाले परिणामों से प्रभावित महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा और सहयोग हेतु कार्य किया जाए।
- एक उचित ऊर्जा परिवर्तन को सक्षम करने के लिए सभी के लिए नवीकरणीय ऊर्जा तक पहुंच की गारंटी देने के लिए ऊर्जा बुनियादी ढांचे की योजना और निर्णय लेने के लिए लिंग रणनीतियों को अनिवार्य किया जाए।

2. उद्यमिता

महिला उद्यमी सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि को बढ़ावा देने, नौकरियां पैदा करने और आवश्यक सामान और सेवाएं प्रदान करके राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था को चलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। महिलाओं को विशेष रूप से ग्रामीण और स्वदेशी क्षेत्रों में, कई कानूनी, नीति, प्रक्रियात्मक, नियामक, सामाजिक और सामाजिक बाधाओं के साथ-साथ पूंजी और वित्तीय सेवाओं तक पहुंच की कमी का सामना करना पड़ता है।

- बाजारों (घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय) तक पहुंच को सुविधाजनक बनाना, बढ़ावा देना और प्रोत्साहित करना, जिसमें सार्वजनिक और कॉर्पोरेट खरीद, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, ई-कॉमर्स, कॉर्पोरेट मूल्य और आपूर्ति तक पहुंच और नई प्रौद्योगिकियां शामिल हैं। टिकाऊ और उभरते क्षेत्रों (अंतरिक्ष, नीला, हरा, गोलाकार, डिजिटल प्रौद्योगिकियों) पर विशेष ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है।
- महिला उद्यमियों के लिए वित्त, संपार्श्विक और पूंजी तक पहुंच बढ़ाएं, और निजी, संस्थागत और सार्वजनिक निवेशकों को जेंडर लेंस के माध्यम से अवसरों में निवेश करने के लिए प्रोत्साहित करें।
- महिला उद्यमशीलता नीति ढांचे और पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देना जो सभी चरणों के माध्यम से महिलाओं के स्वामित्व वाले और नेतृत्व वाले एमएसएमई के विकास में तेजी लाएगा, हर देश को महिला व्यापार केंद्र बनाने और वित्त पोषित करने के लिए प्रोत्साहित करेगा, महिला उद्यमियों को विकास को बढ़ावा देने और बढ़ाने के लिए अनौपचारिक से औपचारिक क्षेत्रों में जाने की सुविधा प्रदान करेगा।
- जी20 देशों में लिंग उत्तरदायी सार्वजनिक खरीद (जीआरपीपी) कार्यक्रमों को प्रोत्साहित करना और महिलाओं के स्वामित्व वाले और नेतृत्व वाले एमएसएमई के लिए खरीद के लिए अपने स्वयं के राष्ट्रीय लक्ष्य स्थापित करना; 2030 तक 20% के लक्ष्य के साथ लिंग खरीद में प्रति वर्ष न्यूनतम एक प्रतिशत की वृद्धि करना।
- विकास क्षेत्रों में महिलाओं के स्वामित्व वाले और नेतृत्व वाले एमएसएमई को वित्त पोषित करने के लिए 2021 में ओईसीडी और जी20 द्वारा समर्थित नए वैश्विक न्यूनतम कॉर्पोरेट टैक्स का न्यूनतम 5% आवंटित करना।
- We-Fi की महिला उद्यमी वित्त संहिता लागू करना महिलाओं के लिए वैश्विक मिश्रित वित्त गठबंधन जैसे

मिश्रित वित्त तंत्र का निर्माण और लाभ उठाना; We-Fi को 2022 में 350 मिलियन USD की प्रतिबद्धता के लिए शेष धनराशि प्रदान करना जारी रखा जाए।

3. जेंडर डिजिटल विभाजन

कौशल, नेतृत्व और अनुसंधान में डिजिटल जेंडर अंतर जटिल सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक कारकों से प्रेरित है, जिसके परिणामस्वरूप महिलाओं और लड़कियों को डिजिटल प्रौद्योगिकियों तक पहुंच और उपयोग करने में बाधाओं का सामना करना पड़ता है। इस अंतर को पाटने से महत्वपूर्ण सामाजिक और आर्थिक लाभ होगा आज और भविष्य की पीढ़ियों दोनों के लिए आजीविका और सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि होगी। G20 नेताओं को डिजिटल अर्थव्यवस्था में प्रमुख अभिनेताओं और निर्णय निर्माताओं के रूप में महिलाओं की पूर्ण भागीदारी के लिए प्रतिबद्ध होना चाहिए।

- G20 सदस्य देशों को प्रगति प्रदर्शित करने के लिए एक वार्षिक राष्ट्रीय G20 डिजिटल लैंगिक समानता रिपोर्ट प्रकाशित करनी चाहिए।
- 2030 तक, सामर्थ्य, साक्षरता और डिजिटल कौशल, पहुंच, ऑनलाइन सुरक्षा और डिजिटल प्रौद्योगिकियों के उपयोग और अपनाने में प्रासंगिक सामग्री की कमी से संबंधित बाधाओं को दूर करके डिजिटल लिंग अंतर को आधा करें।
- डिजिटल तकनीक / एआई को डेटा और एल्गोरिदम में लैंगिक पूर्वाग्रह पैदा करने, बनाए रखने और बढ़ाने से रोकने और सही करने के लिए नीतियों और प्रक्रियाओं की गारंटी दें और उन्हें लागू करें।
- महिलाओं के नेतृत्व वाली प्रौद्योगिकी और तकनीक - सक्षम स्टार्ट-अप के लिए न्यूनतम 15% कर छूट, या अन्य समकक्ष प्रोत्साहन प्रदान करें; और महिला उद्यमियों के लिए प्रासंगिक प्रोत्साहन / सब्सिडी मिले।
- महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ ऑनलाइन दुर्व्यवहार और हिंसा की रिपोर्टों की सुरक्षा, निगरानी, जांच और मुकदमा चलाने के लिए संस्थागत क्षमता और तंत्र को मजबूत करना।

4. जमीनी स्तर का नेतृत्व

- महिलाओं के लिए नेतृत्व करना, विकास का नेतृत्व करना और जमीनी स्तर सहित परिवर्तन के एजेंट के रूप में कार्य करना महत्वपूर्ण है। और समाज के लिए उस मानसिकता और उस नेतृत्व का उपयोग करने के लिए महिलाओं के लिए आवश्यक प्रणालीगत परिवर्तन को अपनाना महत्वपूर्ण है। ऐसे में, सरकारों, संगठनों और व्यक्तियों को महिलाओं के जमीनी स्तर के नेतृत्व को बढ़ावा देना चाहिए।
- 2030 के लिए 50% प्रतिनिधित्व लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए जमीनी स्तर पर जोर देने और निरंतर करियर प्रगति के साथ, शासन और नेतृत्व में निर्णय लेने के सभी स्तरों पर एक तिहाई महिला प्रतिनिधित्व के लिए न्यूनतम कोटा लागू करके महिला नेतृत्व को बढ़ावा देना।
- महिलाओं के लिए सभी सिफारिशें / लाभ सुदूर, ग्रामीण और स्वदेशी क्षेत्रों तक विस्तारित और तैयार किए गए हैं, विशेष रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्र हैं: शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, लिंग आधारित हिंसा (ऑनलाइन

सहित) बुनियादी ढांचे, जलवायु परिवर्तन, कृषि, वित्तीय और डिजिटल साक्षरता।

- सुनिश्चित करें कि महिलाओं के नेतृत्व के लिए G20 वार्षिक रिपोर्टिंग और समीक्षा तंत्र में जमीनी स्तर पर विशेषकर प्रत्येक देश के दूरदराज और ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाएं शामिल हों।

5. शिक्षा, कौशल विकास और श्रम बाजार भागीदारी

शिक्षा एक मानव अधिकार है, शांतिपूर्ण, न्यायसंगत और समृद्ध समाज के लिए लड़कियों और महिलाओं को शिक्षित करना आवश्यक है। महिलाओं के आर्थिक योगदान को उचित रूप से मान्यता दी जानी चाहिए, पुरस्कृत किया जाना चाहिए और उन उपायों के माध्यम से समर्थित किया जाना चाहिए जो सभ्य और पूर्वानुमानित कार्य, देखभाल जिम्मेदारियों के लिंग-समान बंटवारे, सार्वजनिक सामाजिक बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और हर जगह लिंग आधारित हिंसा से मुक्ति की गारंटी को बढ़ावा देते हैं।

- प्राथमिक, माध्यमिक, व्यावसायिक और तृतीयक शिक्षा तक समान पहुँच प्रदान करना; स्कूल में ठहराव बढ़ाएँ; और उभरते क्षेत्रों और STEM/STEAM में सभी उम्र की महिलाओं और लड़कियों के लिए कौशल उन्नयन सहित आजीवन शिक्षा प्रदान करना।
- सभी के लिए शिक्षा और व्यापक सामाजिक पारिस्थितिकी तंत्र में पूर्वाग्रहविरोधी और अचेतन - पूर्वाग्रह प्रशिक्षण को अनिवार्य करें, और महिलाओं और पुरुषों की देखभाल, काम और रूढ़िवादिता की लैंगिक धारणाओं को बदलने के लिए मीडिया अभियानों को वित्त पोषित करें।
- स्कूलों और उच्च शिक्षा सुविधाओं में मुफ्त स्वच्छता संबंधी उत्पाद और सुरक्षित और टिकाऊ स्वच्छता अभ्यास शिक्षा प्रदान करें; विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा निर्दिष्ट व्यापक कामुकता शिक्षा (सीएसई) के साथ समर्थित; और मातृ मृत्यु दर को कम करने के लिए प्रसवपूर्व और प्रसवोत्तर देखभाल सहित सेवाओं की एक किफायती और सुलभ श्रृंखला प्रदान करता है।
- स्वास्थ्य, चिकित्सा उपकरणों और फार्मास्यूटिकल्स से संबंधित सभी शोध समान रूप से आयोजित और विश्लेषण किए जाते हैं, और इसमें गर्भावस्था सहित उनके विकास के सभी चरणों में महिलाएं शामिल होती हैं, जो भविष्य की पीढ़ियों को भी प्रभावित करती हैं।
- आईएलओ कन्वेंशन 190 में दिए गए प्रावधान के अनुसार हिंसा विरोधी कानून और कार्यस्थल सुरक्षा को अपनाएं और लागू करें, और उस सुरक्षा को घर या अन्य जगहों पर अन्य सभी लैंगिक हिंसा तक विस्तारित करें।
- सार्वजनिक क्षेत्र, निजी क्षेत्र और सार्वजनिक रूप से कारोबार करने वाली फर्मों के लिए लिंग वेतन अंतर रिपोर्टिंग का कानून बनाना और कार्यबल में लिंग आधारित भेदभाव को समाप्त करना।
- अर्थव्यवस्था को मानकीकृत, पेशेवर बनाने और औपचारिक बनाने की कार्रवाइयों द्वारा समर्थित एक सार्वभौमिक "बेसिक केयर बास्केट" के लिए बढ़ी

हुई फंडिंग के लिए प्रतिबद्ध; देखभाल के बुनियादी ढांचे के विकास और सुधार के लिए जीएनआई का 0.7% प्रदान करने के लिए जी20 दाता देशों द्वारा संयुक्त राष्ट्र की पूर्व प्रतिबद्धताओं को पूरा करना; और ऐसी नीतियां लागू करें जो मातृत्व / माता-पिता के लाभों की रक्षा और सुधार करें और पारिवारिक अवकाश कार्यक्रमों सहित लिंग समान देखभाल जिम्मेदारियों का समर्थन करें।

एतिहासिक उपलब्धि:

लैंगिक समानता, महिला सशक्तिकरण और महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि के तहत, जी20 नई दिल्ली लीडर्स डिक्लेरेशन 2023 में अध्यक्ष के उस वक्तव्य को शामिल किया गया है, जिसे गांधीनगर में महिला सशक्तिकरण के लिए जी20 मंत्रिस्तरीय सम्मेलन में अपनाया गया था।

जी20 के लीडर्स ने जी20 महिला मंत्रिस्तरीय (जी20 वुमेन मिनिस्ट्रीयल) का समर्थन करने के लिए महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए एक कार्य समूह के गठन पर सहमति व्यक्त की, जिसकी पहली बैठक ब्राजील की जी20 अध्यक्षता के दौरान होगी।

'लैंगिक समानता और सभी महिलाओं एवं लड़कियों को सशक्त बनाने' के प्रति भारत के सामूहिक और अटूट समर्पण को अब जी20 नई दिल्ली लीडर्स डिक्लेरेशन 2023 में एक मजबूत स्थान मिल गया है।

भारत की अध्यक्षता के अंतर्गत जी20 ने माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अमृतकाल के विजन से प्रेरणा ली है, जहां अर्थव्यवस्था और समाज के सभी क्षेत्रों में नारी शक्ति (महिलाओं की शक्ति) का जश्न मनाया जाता है। इस विजन के आधार पर, भारत की अध्यक्षता में जी20 ने पहली बार अपना ध्यान महिला विकास से महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास पर स्थानांतरित कर दिया है।

लैंगिक समानता, महिला सशक्तिकरण और महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि में, जी20 नई दिल्ली लीडर्स डिक्लेरेशन 2023 (घोषणा 2023) में अध्यक्ष के वक्तव्य को शामिल किया गया है, जिसे 2-4 अगस्त 2023 के दौरान गांधीनगर में हुए महिला सशक्तिकरण के लिए जी20 मंत्रिस्तरीय सम्मेलन (जी20 मिनिस्ट्रियल कॉन्फ्रेंस फॉर वुमेन इम्पावरमेंट) में अपनाया गया था।

जी20 नई दिल्ली लीडर्स डिक्लेरेशन 2023 'आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण को बढ़ाना', 'लैंगिक डिजिटल विभाजन को पाटना', 'लैंगिक समावेशी जलवायु कदमों को आगे बढ़ाना' और 'महिलाओं की खाद्य सुरक्षा, पोषण एवं कल्याण को सुरक्षित करना' पर जोर देती है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि जी20 के लीडर्स जी20 महिला मंत्रिस्तरीय का समर्थन करने के लिए 'महिला सशक्तिकरण पर एक कार्य समूह' के गठन पर सहमत

हुए, जिसकी ब्राजील की जी20 की अध्यक्षता के दौरान पहली बैठक आयोजित होगी। जी20 नेताओं की यह प्रतिबद्धता वास्तव में भारत के माननीय प्रधानमंत्री के लैंगिक अनुरूपता और लैंगिक समानता के लिए निरंतर समर्थन का प्रतिबिंब है, जिससे जी20 देशों को यह उपलब्धि हासिल करने में मदद मिली है।

'लैंगिक समानता और सभी महिलाओं एवं लड़कियों को सशक्त बनाने' के लिए भारत की सामूहिक तथा अटल प्रतिबद्धता को अब जी20 नई दिल्ली लीडर्स डिक्लेरेशन 2023 में एक अहम स्थान मिल चुका है। ऐसा भारत की अध्यक्षता के दौरान, डब्ल्यू20 सहभागिता समूह, एम्पावर पहल और महिला सशक्तिकरण पर मंत्रिस्तरीय सम्मेलन (एमसीडब्ल्यूई) के माध्यम से, जी20 के लीडर्स, जी20 देशों और अतिथि देशों यानी अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, यूरोपीय संघ, फ्रांस, जर्मनी, इंडोनेशिया, इटली, जापान, मैक्सिको, कोरिया गणराज्य, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, तुर्किए, यूनाइटेड किंगडम, अमेरिका, बांग्लादेश, मॉरीशस, नीदरलैंड, नाइजीरिया, सिंगापुर, स्पेन, ओमान और यूएई से आए प्रतिनिधिमंडलों, वक्ताओं और प्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी एवं उनके समर्थन के बिना संभव नहीं होता।

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय संबंधित कार्यक्रमों के तहत सफल परिणामों के लिए वुमेन 20 और जी20 एम्पावर के सभी सदस्यों को बधाई देता है, जो उनकी विज्ञप्तियों में विधिवत परिलक्षित हुआ और जिन्हें बदले में 'जी20 नई दिल्ली लीडर्स डिक्लेरेशन 2023' में जगह मिली है। महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास पर ध्यान केंद्रित करने के साथ, भारत की जी20 अध्यक्षता दुनिया भर में महिला सशक्तिकरण की प्रगति के लिए एक पथप्रदर्शक बन गई है, जिसमें छह व्यक्तिगत उपस्थिति वाले अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन और 86 वर्चुअल अंतरराष्ट्रीय बैठकें लैंगिक समानता से जुड़े मुद्दों पर केंद्रित थीं। इनमें क्रमशः डॉ. संगीता रेड्डी (ज्वाइंट मैनेजिंग डायरेक्टर-अपोलो हॉस्पिटल्स ग्रुप) और डॉ. संध्या पुरेचा (संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार विजेता) की अध्यक्षता में हुई जी20 एम्पावर और डब्ल्यू20 की बैठकें शामिल हैं। एमडब्ल्यूसीडी उन राज्य सरकारों, केंद्रीय मंत्रालयों, निफ्ट, ज्ञान भागीदारों विशेष रूप से संयुक्त राष्ट्र महिला, फिक्की, सीआईआई और अन्य लोगों के प्रयासों की सराहना करता है, जिन्होंने महिला नेतृत्व वाले विकास की विषय वस्तु पर और विभिन्न अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रमों एवं प्रदर्शनियों के आयोजन में मंत्रालय के साथ भागीदारी की। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय व्यक्तिगत अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रदर्शनियों और पैनल चर्चाओं के माध्यम से अपने उत्पाद, कौशल के प्रदर्शन तथा सेवाएं देने वाले स्थानीय कारीगरों, शिल्पकारों, अपरंपरागत क्षेत्रों से जुड़ी महिलाओं और महिला उद्यमियों की अपना बहुमूल्य समय देने एवं उनके प्रयासों के लिए सराहना करता है।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और जी20 को जनता की अध्यक्षता, जन भागीदारी या नागरिकों की इच्छा के तहत भारत की जी20 की अध्यक्षता अब एक कसौटी बन गई है। एमडब्ल्यूसीडी 3,00,000 से अधिक नागरिकों की उत्साही भागीदारी की सराहना करता है, जो वॉकाथन से लेकर फ्लैश मॉब तक जनभागीदारी

कार्यक्रमों के माध्यम से जुड़े हुए थे। कार्यक्रमों में महिला नेतृत्व वाले विकास को प्रदर्शित किया गया और विभिन्न राज्यों के महिला समुदाय के प्रमुखों, कारीगरों, स्वयं सहायता समूहों, एसएमई, कॉरपोरेट्स तथा व्यावसायिक संस्थाओं ने भारत की जी20 की अध्यक्षता को वास्तव में लोगों का कार्यक्रम बनाने में सक्रिय भूमिका निभाई है।

विजय सैमुअल हजारे

विजय सैमुअल हजारे (11 मार्च 1915 - 18 दिसंबर 2004) एक भारतीय क्रिकेटर थे। उन्होंने 1951 और 1953 के बीच 14 मैचों में भारत की कप्तानी की। भारत के 25वें टेस्ट मैच में, भारत के टेस्ट दर्जा हासिल करने के लगभग 20 साल बाद, उन्होंने 1951-52 में भारत को पहली टेस्ट क्रिकेट जीत (और उनकी कप्तानी में एकमात्र जीत) दिलाई। इंग्लैंड ने मद्रास में किंग जॉर्ज VI की मृत्यु के दिन शुरू हुए मैच में एक पारी और आठ रन से जीत हासिल की। उन्हें 1996 में सी.के. नायडू लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार मिला, जो बीसीसीआई द्वारा किसी पूर्व खिलाड़ी को दिया जाने वाला सर्वोच्च सम्मान है। मुख्य रूप से दाएं हाथ के बल्लेबाज, हजारे दाएं हाथ के मध्यम गति के गेंदबाज भी थे। एक "शर्मीला, सेवानिवृत्त" व्यक्ति (1952 में विजडन के अनुसार), यह व्यापक रूप से सोचा गया था कि वह एक स्वाभाविक कप्तान नहीं था और इसके परिणामस्वरूप उसकी बल्लेबाजी को नुकसान हुआ। उनके प्रतिद्वंद्वी विजय मर्चेंट ने कहा कि कप्तानी ने हजारे को भारत का सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज बनने से रोका: "यह क्रिकेट की त्रासदियों में से एक थी।" फिर भी, हजारे का टेस्ट रिकॉर्ड बहुत सम्मानजनक है: उन्होंने 30 टेस्ट मैचों में 47.65 की बल्लेबाजी औसत के साथ 2,192 रन बनाए। उनका प्रथम श्रेणी रिकॉर्ड और भी प्रभावशाली है, जिसमें उनके 18,740 रन का बल्लेबाजी औसत 58.38 है। उन्होंने 60 प्रथम श्रेणी शतक (टेस्ट में 7 सहित) बनाए, जो किसी भारतीय खिलाड़ी के लिए चौथा सबसे बड़ा शतक और 10 प्रथम श्रेणी दोहरे शतक (द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान छह सहित, जब भारत एकमात्र टेस्ट क्रिकेट खेलने वाला देश था जिसने अपनी पकड़ जारी रखी थी) बनाए। भारतीय घरेलू मैदान पर, हजारे ने महाराष्ट्र, मध्य भारत और बड़ौदा टीमों के लिए खेला।